क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर (हि.प्र.) द्वारा भाकृअनपु-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का 134वां स्थापना दिवस आयोजित।

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर (हि.प्र.) ने 8 दिसंबर, 2023 को भाकृअनपु-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का 134वां स्थापना दिवस मनाया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान द्वारा बनूरी, पालमपुर (हि.प्र.) में पशु स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र और समन्वयक ने सभी किसानों/पशुपालकों का स्वागत किया एवं पशुधन स्वास्थ्य (टीके और नैदानिक विकास) और उत्पादकता (पशुओं की नई नस्लों का विकास) में भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की भूमिका को समयरेखा अनुसार विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि संस्थान की स्थापना 9 दिसंबर, 1889 को पुणे, महाराष्ट्र में इंपीरियल बैक्टीरियोलोजिकल लेबोरेटरी (आईबीएल) से हुई। 1893 में इंपीरियल बैक्टीरियोलोजिकल लेबोरेटरी (आईबीएल) का स्थानांतरण मुक्तेश्वर, कुमाऊँ उत्तर प्रदेश (अब उत्तराखंड में) में हुआ। संस्थान द्वारा 1899 में एंटी-रिंडरपेस्ट सीरम के पहले बैच का उत्पादन किया गया। 1925 में इसे इंपीरियल इंस्टीट्यूट आफ वेटरनरी रिसर्च एवं 1936 में संस्थान का पुनर्नामकरण इंपीरियल पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान किया गया। 1947 में संस्थान के मुख्यालय को मुक्तेश्वर से इज्जतनगर में स्थानांतरित किया गया एवं संस्थान को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान से नामित किया गया जो भारत सरकार के अधीन रहा। 1959 में पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) में क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना की गई। 1966 में प्रशासनिक नियंत्रण का हस्तांतरण भारत सरकार से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में एवं संस्थान को एक राष्ट्रीय संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। संस्थान द्वारा 2002 में लाईव संशोधित पीपीआर टीका, 2019 में सबवायरल पार्टिकल आधारित आईबीडी वैक्सीन, 2020 में लाइव एटेन्यूएटेड क्लासिकल स्वाइन फीवर सेल कल्चर वैक्सीन एवं ब्रुसेला गर्भपात S19 प्रति टीका, 2021 में कैमल पाक्स वैक्सीन एवं बफैलो पाक्स वैक्सीन, 2022 में स्वाइन सेप्टिक पेस्ट्यूरेलोसिस वैक्सीन एवं हेमोरेजिक सेप्टिसीमिया के खिलाफ मल्टीपल इमल्शन एवं 2023 में लम्पी चमड़ी रोग की वैक्सीन का विकास किया। उन्होंने किसानों/पशुपालकों की आर्थिकी सुदृढ़ करने हेतु संस्थान द्वारा चलाई जा रही अनुसूचित जाति उपयोजना, जनजातीय उपयोजना, मेरा गांव मेरा गौरव, किसान मेला एवं फार्मर फस्ट इत्यादि कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सरकार द्वारा मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने माननीय निदेशक एवं कुलपति एवं संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भाकृअनपु-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर को क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर को उनके निरंतर समर्थन और मदद के लिए धन्यवाद दिया।

क्रार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसानों/पशुपालकों को खनिज लवण आवंटित किया। डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक वैज्ञानिक द्वारा किसानों/पशुपालकों को पशु आहार एवं खनिज मिश्रण का उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डा. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने हिमाचल प्रदेश में गद्दी बकरी पालन की उत्तम प्रबंधन पद्धतियों के बारे में जानकारी दी। डा. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा किसानों/पशुपालकों को पशुओं में चारा विषाक्तता एवं बचाव संबंधित जानकारी प्रदान की। डा गौरी जैरथ, वैज्ञानिक द्वारा पशुपालकों को स्वच्छ एवं

सुरक्षित दूध और मांस उत्पादन का महत्व सम्बन्धित जानकारी प्रदान की। डा. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक द्वारा पशुओं में परजीवियों से होने वाले रोगो के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इसके अतिरिक्त दिनांक 09.12.2023 को वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आवासीय कालोनी में भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर स्वच्छता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।